छात्रों के प्रति

1.

तुम वहां बैठते हो
पढ़ने के लिए।
और कितना खून बहा था
कि तुम वहां बैठ सको।
क्या ऐसी कहानियां तुम्हें बोर करती हैं?
लेकिन मत भूलो कि पहले
दूसरे बैठते थे तुम्हारी जगह
जो बैठ जाते थे बाद में
जनता की छाती पर।
होश में आओ!

2.

तुम्हारा विज्ञान व्यर्थ होगा, तुम्हारे लिये
और अध्ययन बांझ, अगर पढ़ते रहे
बिना समर्पित किये, अपनी बुद्धि को
लड़ने के लिए
सारी मानवता के सारे शत्रुओं के विरुद्ध

3.

मत भूलो,
कि आहत हुए थे तुम जैसे आदमी
कि पढ़ सको तुम यहां, न कि दूसरे कोई
और अब मत मूंदो अपनी आंखें, और
मत छोड़ो पढ़ाई
बल्कि पढ़ने के लिए पढ़ो
और पढ़ने की कोशिश करो
कि क्यों पढ़ना है?

– बेर्टोल्ट ब्रेष्ट

सोचो!

सोचो!
यह विषय कठिन नहीं है
जो हमारी समझ में नहीं आ सकता
छोटे-छोटे चोरों को कड़ी सजाएं
और बड़े चोरों का ओहदा बड़ा
सार्वजनिक अभिनंदन
गले तक डूबे हार में, अखबार में
हर दिन फोटू।
इसी फोटू पर अपने घर में
मारकर जूते शुरू करें।
दस रुपये, साइकिल
जूते, रोटी चुराने वाले
या मजदूर, ईमानदार हम सब
हमें शर्म आनी चाहिए
जो नंगे भूखों को बचा नहीं सकते
नागरिको !
सफेदपोश डाकुओं
बड़े चोरों की तस्वीरों पर थूको
और बचाओ
अपराधों से गरीब मजबूरों को
कायदे जुल्म-सजाओं के
यदि नहीं बदलते
तो तुम
बदलो आदत अपनी
सोचो इस विषय पर
सचमुच
यह विषय कठिन नहीं है।

– चन्द्रकान्त देवताले

बोलते आंकड़े चीखती सच्चाइयां

➪ वर्ष 1999 की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार विश्व के सबसे गरीब 20 प्रतिशत लोगों के पास विश्व की कुल आय का सिर्फ एक प्रतिशत पहुंच रहा है।

➪ विश्व के सबसे अमीर 20 प्रतिशत लोग विश्व की कुल आय के 86 प्रतिशत हिस्से का उपभोग कर रहे हैं।

➪ विश्व के सबसे अमीर तीन व्यक्तियों के पास जितनी सम्पत्ति है, वह गरीब देशों में रहने वाले विश्व के 60 करोड़ लोगों की वार्षिक आय के बराबर है।

➪ विश्व के लगभग 100 करोड़ लोग न्यूनतम बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित हैं।

➪ 1960 में विश्व के सबसे गरीब 20 प्रतिशत लोगों की आय की वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत थी, जबकि इस सदी के अन्त में यह मात्र 1 प्रतिशत रह गयी है।

➪ विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख बच्चों की मौत गरीबी और अभाव के कारण होती है।

➪ विश्व के सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए वार्षिक खर्च 6 अरब डालर है, जो उपलब्ध नहीं हो रहा, जबकि अमीर देशों में प्रतिवर्ष केवल वीडियो गेम खरीदने पर 8 अरब डालर खर्च हो रहा है।

➪ दुनिया के सभी लोगों तक स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, सब बच्चों तक शिक्षा ले जाने का वार्षिक खर्च 27 अरब डालर है, जो उपलब्ध नहीं हो रहा है। वहीं दूसरी ओर केवल एक देश अमरीका में एक वर्ष में 25 अरब डालर बीयर पीने-पिलाने में खर्च हो रहा है और जापान में एक वर्ष में बड़े व्यवसायियों द्वारा दिये गये लंच-डिनर में 35 अरब डालर खर्च हो रहा है।

➪ देश में एक परमाणु बम बनाने के खर्च 4 करोड़ रुपये में ग्रामीण गरीबों के लिए इन्दिरा आवास योजना के तहत 3300 मकान बनाये जा सकते हैं।

➪ एक अग्नि मिसाइल के निर्माण का खर्च 60 करोड़ रुपये है जिससे 15000 ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों का सालाना खर्च चल सकता है।

➪ परमाणु हथियार से लैस एक पनडुब्बी पर होने वाले खर्च 4000 करोड़ रुपये में 1000 मेगावाट का बिजलीघर बन सकता है।

➪ एक परमाणु प्रहारत्रयी के निर्माण पर होने वाले कुल व्यय 4000 करोड़ रुपये के बराबर केन्द्र सरकार का प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का कुल बजट है।